## न्यूज डायरी

### दक्षिण कोरिया ने पहली बार पनडुब्बी से दागी मिसाइल

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** सोल। दक्षिण कोरिया ने पहली बार अत्याधुनिक किलर पनडुब्बी की मदद से समुद्र के नीचे से मिसाइल दागने में सफलता हासिल की है। यह पनडुब्बी एयर इंडिपेंडेंट पॉवर से लैस है और दुश्मन को अपनी भनक दिए बिना कई दिनों तक समुद्र के जल में छिपी रह सकती है। गैर परमाणु ऊर्जा से चालित यह पनडुब्बी KSS&III स्टील्थ तकनीक से लैस है। दक्षिण कोरियाई पनडुब्बी की यह सफलता भारत के लिए भी अच्छी खबर है। दरअसल, चीन और पाकिस्तान की नापाक जोड़ी से निपटने के लिए भारत एआईपी तकनीक से लैस गैर परमाणु ऊर्जा चालित अत्याधुनिक पनडुब्बी की तलाश कर रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक दक्षिण कोरिया ने एआईपी तकनीक और परंपरागत बलिस्टिक मिसाइल से लैस पनडुब्बी का निर्माण करके दुनियाभर की नौसेनाओं के लिए एक नया दरवाजा खोला है। दक्षिण कोरिया ने यह पहले किया है लेकिन वह आखिरी देश नहीं होगा।

### धरती के बेहद करीब से गुजरेगा विशालकाय ऐस्टरॉइड

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** वॉशिंगटन। करीब 450 फीट लंबा एक विशालकाय ऐस्टरॉइड शुक्रवार को पृथ्वी की कक्षा से गुजर सकता है। नासा के ट्रैकिंग डेटा में इसकी जानकारी दी गई है। ऐस्टरॉइड का नाम 2021RE है और यह 10 सितंबर को पृथ्वी से 3,400,000 मील की दूरी से गुजर सकता है। इस दूरी को आसान भाषा में समझने के लिए जान लीजिए कि चांद हमारी पृथ्वी से 238,855 मील की दूरी पर स्थित है। अनुमान है कि 2021RE पृथ्वी के पास के करीब 30,000 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गुजरेगा। इस रफ्तार से अगर यह पृथ्वी से टकरा जाता है तो सतह पर भीषण नुकसान पहुंचा सकता है। पृथ्वी पर हर दिन 100 टन से ज्यादा छोटी अंतरिक्ष चट्टानें और दूसरे ग्रहों का मलबा गिरता है। एक औसत कार से आकार में छोटी हर वस्तु पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते ही जल सकती है। हालांकि हर बार इसे खतरा नहीं माना जाता।

### भारतीय युवक की कनाडा में नस्ली नफरत के कारण हत्या

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** टोरंटो। कनाडा के नोवा स्काटिया प्रांत के ट्रुरो कस्बे में 23 साल के एक भारतीय युवक की हत्या कर दी गई है। भारतीय समुदाय के सदस्यों का कहना है कि उसकी हत्या संभवतरू नस्ली नफरत का नतीजा है। सीबीसी कनाडा की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रुरो पुलिस सर्विस के डेविड मैकनील ने बताया कि रविवार को रात दो बजे 494 राबी सेंट से 911 पर कॉल के बाद पुलिस अफसर उस अपार्टमेंट की इमारत में पहुंचे जहां भारतीय युवक प्रभजोत सिंह कतरी जानलेवा हमले के बाद बुरी तरह से जख्मी पड़ा हुआ था। इन गंभीर चोटों की वजह से कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। वह लैटन की टैक्सी के अलावा दो होटलों में भी काम करता था। मैकनील ने बताया कि प्रभजोत सिंह कतरी परिवार, मित्रों, स्थानीय भारतीय–कनाडाई के मूल के लोगों से ही मिलता–जुलता था।

### चीन बोला– तालिबान से बगराम एयरबेस लेने की बात झूठी

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** बीजिंग। चीन ने उस खबर को पूरी तरह से फर्जी करार दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि अमेरिकी सेना के बगराम एयरबेस खाली करने के बाद अफगानिस्तान ने इसे चीन को सौंपने का फैसला किया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन से जब मीडिया ब्रीफिंग में पूछा गया, क्या तालिबान की योजना चीन को बगराम एयरबेस और कंधार एयरपोर्ट पाकिस्तान को सौंपने की है, तो उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से फेक न्यूज है। उल्लेखनीय है कि जुलाई में अमेरिकी सेना ने बगराम एयरबेस छोड़ दिया था, जोकि पिछले 20 सालों से उसके कब्जे में था। इस दौरान यह एयरबेस हजारों अमेरिकी सैनिकों का घर था। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने भी कहा था कि चीन बगराम एयरबेस को हासिल करने की कोशिश कर रहा है।

# तालिबानी शिक्षा मंत्री ने पढ़ाई को बताया बेकार

**ट्रोल**

ट्विटर पर शेयर किए गए वीडियो से बढ़ा लोगों का गुस्सा, यूजर्स ने किया ट्रोल

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

काबुल। अफगानिस्तान पर कब्जे के एक महीने के भीतर ही तालिबान ने सरकार बना ली है। मंगलवार को तालिबान कैबिनेट की घोषणा की गई जिसने काफी हद तक दुनिया को चौंका दिया। अब एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें तालिबान के शिक्षा मंत्री शेख मौलवी नूरुल्लाह मुनीर को उच्च शिक्षा की जरूरत पर सवाल उठाते देखा जा सकता है। शिक्षा को लेकर तालिबान का रुख उसी दिन स्पष्ट हो गया था जब उसने प्राइवेट कॉलेज और यूनिवर्सिटी में लड़कियों के लिए कई कट्टरपंथी फरमान जारी किए थे।

वीडियो में नूरुल्लाह मुनीर कह रहा है, श्आज के समय में न ही किसी पीएचडी डिग्री की कोई वैल्यू

## तालिबान के शिक्षा मंत्री ने कहा कि आज कल डिग्री की कोई अहमियत नहीं है

है और न ही मास्टर डिग्री की। आप देख सकते हैं कि मुल्ला और तालिबान आज सत्ता में हैं और उनके पास पीएचडी, एमए और यहां तक हाई स्कूल की भी डिग्री नहीं है लेकिन वे सबसे महान हैं।

तालिबानी मंत्री के इस बयान के बाद एक बार फिर आतंकी समूह का असली चेहरा और शिक्षा को लेकर एजेंडा साफ हो गया है। ट्विटर पर शेयर किए गए वीडियो पर लोगों ने कमेंट करते हुए लिखा, यह आदमी शिक्षा के बारे में क्यों बात कर रहा है? एक दूसरे यूजर ने लिखा कि उच्च शिक्षा का मंत्री उच्च शिक्षा को बेकार बता रहा है।

**क्लास में तालिबान ने लगाया पर्दा** तालिबान भले ही अपना कथित उदार चेहरा दुनिया के सामने दिखाने की कोशिश कर रहा हो लेकिन इन दावों की सच्चाई सभी के सामने आ गई है। अफगानिस्तान में तालिबान राज आते ही लड़कियों की पढ़ाई पर अंकुश और प्रतिबंध लगाना शुरू कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर शेयर की गई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि क्लासरूम में एक ओर लड़कियां बैठी हैं और दूसरी तरफ लड़के। दोनों के बीच में पर्दा लगा हुआ है ताकि वे आपस में घुल–मिल न सकें। दावा किया जा रहा है कि तस्वीर काबुल की एक यूनिवर्सिटी की है।

**अफगानिस्तान में चलेगा सिर्फ शरिया लॉः** तालिबान के प्रमुख नेता हैबतुल्ला अखुंदजादा ने कहा है कि अफगानिस्तान में शरिया कानून लागू होगा। तालिबानी नेता की ओर से जारी बयान में कहा गया कि भविष्य में अफगानिस्तान की सरकार और आम जीवन से जुड़े सभी मुद्दों को शरिया के कानूनों से हल किया जाएगा।

अखुंदजादा ने कहा कि अफगान अधिकारी इस्लाम के अनुसार मानव और अल्पसंख्यक अधिकारों की रक्षा के लिए गंभीर कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा कि नए अफगान अधिकारी देश में निवेश के लिए विदेशियों को अवसर मुहैया कराएंगे।

## अमेरिका की प्रथम महिला ने पेश की मिसाल

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** वॉशिंगटन। अमेरिका की प्रथम महिला जिल बाइडन अपने काम पर वापस लौट चुकी हैं। वह अब तक पहली श्प्रथम महिला हैं जो इस पद पर रहते हुए नौकरी कर रही हैं। मंगलवार को वह Northern Virginia Community College के अपने क्लासरूम में लौट आईं जहां पिछले सेमेस्टर में उन्होंने ऑनलाइन क्लासेस लिए थे। जिल बाइडन इस स्कूल में 2009 से पढ़ा रही हैं।

अमेरिकी की दूसरी महिला के पद पर रहने के दौरान भी वह स्कूल में पढ़ा रही थीं तब स्कूल को क्लास शेड्यूल के लिए उनका पूरा नाम लिखने पर गहन चर्चा करनी पड़ी थी।

**क्लास में लौटने के लिए उत्सुकः** जिल बाइडन ऐसी पहली प्रथम महिला हैं जो व्हाइट हाउस छोड़ कर काम पर लौटी हैं। उन्होंने हाल में गुड हाउसकीपिंग पत्रिका को बताया, कुछ चीजें होती हैं जिन्हें आप बदल नहीं सकते और मैं क्लास में लौटने के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकती। बाइडन महामारी के कारण करीब एक साल से अधिक समय तक डिजिटल माध्यम से पढ़ाने के बाद अपने छात्रों को आमने–सामने देखने के लिए उत्सुक थीं, जो अब भी बाइडन प्रशासन के लिए चुनौती है।

### रवांडा में बच्चे को बाप ने बताया राक्षस, अकेले छोड़ा

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** किगाली। किसी इंसान के लिए उसका बच्चा ईश्वर की अनमोल धरोहर की तरह से होता है। मां–बाप ढाल बनकर हर संकट से अपने बच्चे की रक्षा करते हैं। हालांकि हर बच्चे को ऐसे पैरंट्स मिलें, यह जरूरी नहीं है। अफ्रीकी देश रवांडा में एक बच्चा दुर्लभ बीमारी की चपेट में आ गया है जिससे उसका चेहरा बेहद डरावना और कुरूप हो गया है। अब हालत यह हो गई है कि उसके पिता ने उसे छोड़ दिया है और उसे शैतान का बच्चा बताया। अब इस बच्चे के लिए ममता की छांव ही आसरा बची है। पीड़ित बच्चे की मां बजेनेजा लिबेराटा जन्म देने के बाद से ही अपने बेटे की देखरेख कर रही हैं।

## चीन ने ताइवान की सीमा में भेजे 19 लड़ाकू विमान

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

पेइचिंग। दक्षिण चीन सागर पर कब्जे के मंसूबे देख रही चीन की सेना ने रविवार को एक साथ 19 लड़ाकू विमान ताइवान की हवाई सीमा में भेजे। इनमें कई ऐसे बॉम्बर थे जो परमाणु बम गिराने में भी सक्षम हैं। चीन की इस आक्रामक कार्रवाई के बाद ताइवान की वायुसेना ने जवाबी कार्रवाई की और अपने फाइटर जेट दौड़ाए। माना जा रहा है कि चीन ने इतने विमान एकसाथ भेजकर ताइवान को डराने का प्रयास किया है।

इससे पहले 15 जून को 28 चीनी विमानों ने ताइवानी हवाई सीमा का उल्ल्लंघन किया था।

### ताइवान को चीनी भाषा में युद्ध के लिए तैयार रहने की धमकी

चीनी मिशन में 10 जे–16 और चार सुखोई–30 विमान शामिल थे। इसके अलावा 4 परमाणु बम गिराने में सक्षम H–6 बॉम्बर भी ताइवान के करीबी पहुंचे थे। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन ने एक एंटी सबमरीन विमान को भी भेजा था। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीनी विमानों को भगाने के लिए ताइवान ने भी अपने विमान भेजे और मिसाइल सिस्ष्टम को भी तैनात किया गया।

अभी इस बारे में चीन की ओर से कोई बयान नहीं आया है। ताइवान के अधिकारी पिछले कई महीने से शिकायत कर रहे हैं कि चीन की वायुसेना के विमान बहुत ही आक्रामक व्यवहार कर रहे हैं। चीनी विमान अक्सर ताइवान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करते हैं। यही नहीं चीनी सेना ने हाल ही में ताइवान के खिलाफ प्रॉपगैंडा वॉर छेड़ते हुए धमकियों भरे कई पोस्टर और वीडियो जारी किए हैं। इनमें ताइवान को चीनी भाषा में युद्ध के लिए तैयारश रहने की धमकी दी है।

इतना ही नहीं, चीनी सैनिकों को हथियारों और जंगी साजोसामान के साथ दिखाया गया है। कई पोस्टरों में मिसाइल, टैंक जैसे हथियारों को लाइव फायर करते हुए भी दिखाया गया है।

### आतंकवाद के साये में अफगानिस्तानी मीडिया

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** काबुल। तालिबान ने काबुल के दैनिक समाचार पत्र एतिलाट्रोज के पांच पत्रकारों को गिरफ्तार किया है। इस बात की जानकारी टोलो न्यूज द्वारा दी गई, जो अफगानिस्तान से कार्य करता है। हालांकि, पत्रकारों को गिरफ्त में लेने का क्या कारण है, वह अभी साफ नहीं हो सका है। यहां तालिबान की ओर से जारी कुछ विशेष गाइडलाइन्स भी समझनी होंगी, जिसमें वह मीडिया पर अपनी हुकूमत चलाता नजर आ रहा है। जैसा वह चाहता है, वैसा ही बुलवाना चाहता है। हाल ही में एक वीडियो वायरल हुई थी, जिसमें एक एंकर के पीछे कई तालिबानी खड़े नजर आ रहे थे और वे एंकर से उनकी तारीफ करने के लिए कह रहे थे। अगर यह कहा जाए कि तालिबान की सरकार बनते ही तानाशाही शुरू हो गई है तो यह गलत नहीं होगा। तालिबान ने अपनी नई सरकार को चलाने के लिए नाम जारी कर दिए हैं। तालिबान की पूर्व की सरकार में डिप्टी पीएम रहे मुल्ला हसन अखुंद को पीएम बना दिया गया है। ये सरकार तालिबान के चीफ हबीबुल्ला अखुंदजादा के इशारे पर काम करेगी।